2025

(FYUGP)

(4th Semester)

HINDI—II

(AECC)

Paper : MIL : HIN–II

(कहानी, आत्मकथा, एकांकी एवं कविता)

Full Marks : 37½
Pass Marks : 40%

Time : 2 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. 'ठाकुर का कुआँ' समाज की किस समस्या को दर्शाती है, व्याख्या करें। 7½

अथवा

'अंधेर नगरी' एकांकी का मूल संदेश क्या है?

2. 'रामदास' कविता के उद्देश्य पर विचार करें। 7½

3. सप्रसंग व्याख्या करें : 7½

"कुली मजदूर हैं
बोझा ढोते हैं, खींचते हैं ठेला
धूल धुआँ भाप से पड़ता है साबका
थके मांदे जहाँ तहाँ हो जाते हैं ढेर।"

4. सप्रसंग व्याख्या करें : 8

"उसने रस्सी का फंदा घड़े में डाला। दायें-बायें चौकन्नी दृष्टि से देखा जैसे कोई सिपाही रात को शत्रु के किले में सुराख कर रहा हो। अगर इस समय वह पकड़ ली गयी तो फिर उसके लिए माफी या रियायत की रत्ती भर उम्मीद नहीं।"

अथवा

"अब दोनों जाते हैं। मेरे भाग! तुम्हें याद है, एक दिन टाँगेवाले का घोड़ा दहीवाले की दूकान के पास बिगड़ गया था। तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाये थे, आप घोड़े की लातों में चले गए थे, और मुझे उठकर दूकान के तख्ते पर खड़ा कर दिया था। ऐसे ही इन दोनों को बचाना। यह मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे आँचल पसारती हूँ।"

5. निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : 1×7=7

(क) 'ठाकुर का कुआँ' कहानी के कहानीकार का नाम क्या है?

(ख) 'जूठन' किस विधा की रचना है?

(ग) 'अंधेर नगरी' एकांकी में 'अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर आम टके सेर खाजा' का अर्थ क्या है?

(घ) 'उसने कहा था' कहानी में किस शहर का चित्रण है?

(ङ) रामदास के उदासी का क्या कारण था?

(च) 'घिन तो नहीं आती' कविता का मूल भाव स्पष्ट करें।

(छ) 'जूठन' किसकी रचना है?

★★★